08/02/2024

विश्व आर्द्रभूमि दिवस (World Wetland Day)

सुर्ख़ियों में क्यों?

- प्रत्येक वर्ष 2 फरवरी को विश्व आर्द्रभूमि दिवस मनाया जाता है | इस दिवस का उद्देश्य आर्द्रभूमियों के संरक्षण हेतु जनजागरूकता फैलाना है |
- गौरतलब है कि 2 फरवरी, 1971 को रामसर समझौते (Ramsar Convention) पर हस्ताक्षर किये गए थे। यह एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है, जो आर्द्रभूमियों (Wetlands) के संरक्षण और प्रबंधन से संबंधित है |
- विश्व आर्द्रभूमि दिवस-2024 का विषय 'आर्द्रभूमि एवं मानव कल्याण' है जो हमारे जीवन को बेहतर बनाने में आर्द्रभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे आर्द्रभूमि बाढ़ सुरक्षा, स्वच्छ जल, जैव विविधता और मनोरंजन के अवसरों में योगदान करती हैं, जो मानव स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए आवश्यक हैं।
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से, विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2024 का जश्न मनाने के लिए इंदौर नगर निगम और पर्यावरण योजना और समन्वय संगठन (ईपीसीओ), मध्य प्रदेश सरकार के माध्यम से सिरपुर झील, इंदौर में एक राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया।
- विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2024 पर, भारत ने पांच और आर्द्रभूमियों को रामसर साइटों के रूप में नामित करके अपनी रामसर साइटों (अंतर्राष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि) की संख्या को बढ़ाकर 80 तक कर दी है। इनमें से तीन स्थल, अंकसमुद्र पक्षी संरक्षण रिजर्व, अघनाशिनी मुहाना और मगदी केरे संरक्षण रिजर्व कर्नाटक में स्थित हैं, जबकि दो, कराईवेट्टी पक्षी अभयारण्य और लॉन्गवुड शोला रिजर्व वन तमिलनाडु में हैं।

आर्द्रभूमियों का महत्व:

नमी या दलदली भूमि वाले क्षेत्र को आर्द्रभूमि (Wetland) कहा जाता है। वस्तुत: आर्द्रभूमियों से भोजन, पानी, रेशा (फाइबर), भूजल का पुनर्भरण, जल शोधन, बाढ़ नियंत्रण, भूमि के कटाव का नियंत्रण और जलवायु विनियमन जैसे महत्वपूर्ण संसाधनों और इको-सिस्टम सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्राप्त होती हैं।

- जलीय निकाय और स्थल क्षेत्र के मिलन वाली जगहों पर आर्द्रभूमियां पायी जाती हैं। आर्द्रभूमियों में, मैंग्रोव और कच्छ भूमि, पीटलैंड, नदियाँ, झीलें और अन्य जलीय निकाय, डेल्टा, बाढ़ के मैदान और वन क्षेत्रों में दलदली भूमि, धान के खेत और प्रवाल भित्तियां आदि शामिल होते हैं।
- विश्व की 40% प्रजातियाँ आर्द्रभूमियों में निवास करती हैं अथवा इनमे प्रजनन करती हैं। इसलिए आर्द्रभूमियों को 'जीवन की नर्सरी' कहा जाता है।
- आर्द्रभूमियां 'पृथ्वी के फेफड़े' होती हैं, और यह वातावरण से प्रदूषकों को साफ करते हैं। आर्द्रभूमियां 'जलवायु परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण' होती हैं | ये 30% भूमि आधारित कार्बन का भंडारण करती हैं।
- आर्द्रभूमियां 'आपदा जोखिम को कम करती हैं' | ये तूफानों के वेग को अवरुद्ध करती हैं।

आर्द्रभूमि से संबंधित प्रमुख तथ्य

- भारत की पहली रामसर स्थल उड़ीसा में स्थित चिल्का झील है, जिसे वर्ष 1981 में शामिल किया गया है |
- वहीं राजस्थान में स्थित केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को भी वर्ष 1981 में तथा सांभर झील को वर्ष 1990 में शामिल किया गया है |
- पश्चिम बंगाल में स्थित सुंदरबन वेटलैंड भारत का सबसे बड़ा रामसर स्थल है। यह लगभग 4230 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है|
- हिमाचल प्रदेश में स्थित रेणुका वेटलैंड क्षेत्र भारत का सबसे छोटा रामसर स्थल है। यह लगभग 0.2 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।
- वर्तमान में, भारत के 80 आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल के रूप में शामिल किया गया है |

NEW OPTIONAL FOUNDATION COURSE FOR ENGLISH & HINDI MEDIUM STARTING FROM 16TH FEBRUARY, 2024

लालकृष्ण आडवानी को भारत रत्न से सम्मानित

सुर्ख़ियों में क्यों?

- हाल ही में बिहार के लालकृष्ण आडवानी को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की गई।

लालकृष्ण आडवानी के बारे में

- लालकृष्ण आडवानी का जन्म 08 नवंबर 1927 सिन्ध प्रांत (पाकिस्तान) में हुआ था|
- आडवाणी की राजनीतिक करियर की शुरूआत 1957 से अटल बिहारी वाजपेयी और दीनदयाल उपाध्याय के सहयोगी के रूप में हुई।
- 1970 में पहली बार राज्यसभा से संसद में प्रवेश करने वाले लालकृष्ण आडवाणी 2019 तक कुल 10 बार संसद सदस्य के रूप में रहे।
- भाजपा के गठन के बाद से ही आडवाणी वह शख्स हैं, जो सबसे ज्यादा समय तक पार्टी में अध्यक्ष पद पर बने रहे हैं। गौरतलब है कि दिसंबर 1972 में भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष नियुक्त किए गए जबकि मई 1986 में भाजपा अध्यक्ष बने।
- वे 1990 में सोमनाथ से अयोध्या तक राम मंदिर रथ यात्रा शुरू की थी।
- वे अक्टूबर 1999 से मई 2004 तक केंद्रीय गृह मंत्री रहे जबकि अटल सरकार में जून 2002 से मई 2004 तक देश के उप प्रधानमंत्री रहे।

भारत रत्न के बारे में

- भारत रत्न देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जो वर्ष 1954 में प्रारंभ किया गया था। यह मानव प्रयास के किसी भी क्षेत्र में असाधारण सेवा/उच्चतम प्रदर्शन के सम्मान में प्रदान किया जाता है।
- इसकी घोषणा पद्म पुरस्कार से अलग स्तर पर की जाती है। भारत रत्न की सिफारिशें प्रधानमंत्री द्वारा भारत के राष्ट्रपति को की जाती हैं।
- भारत रत्न पुरस्कारों की संख्या एक विशेष वर्ष में अधिकतम तीन तक हो सकती है|

समुद्री शैवाल की खेती को बढ़ावा देने पर राष्ट्रीय सम्मेलन

सुर्ख़ियों में क्यों?

- हाल ही में समुद्री शैवाल की खेती को बढ़ावा देने पर राष्ट्रीय सम्मेलन कोटेश्वर (कोरी क्रीक), कच्छ, गुजरात में आयोजित किया गया।

- इस सम्मेलन का उद्देश्य समुद्री उत्पादन में विविधता लाने और मछुआरों की आय बढ़ाने के लिये समुद्री शैवाल की खेती को बढ़ावा देना है।

समुद्री शैवाल क्या हैं?

- समुद्री शैवाल स्थूल, बहुकोशिकीय, समुद्री शैवाल हैं। वे लाल, हरे और भूरे सहित विभिन्न रंगों के होते हैं। इन्हें '21वीं सदी का चिकित्सीय भोजन' कहा जाता है।
- समुद्री शैवाल अधिकतर अंतर्ज्वारीय क्षेत्र में, समुद्र के उथले और गहरे पानी में व मुहाना तथा बैकवाटर में भी पाए जाते हैं।
- भारत के समुद्रों में लगभग 844 समुद्री शैवाल प्रजातियाँ पाई जाती हैं। प्रचुर मात्रा में समुद्री शैवाल तमिलनाडु और गुजरात तटों के साथ-साथ लक्षद्वीप और अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह के आसपास पाए जाते हैं।

समुद्री शैवाल का महत्त्व

- समुद्री शैवाल जैव-संकेतक के रूप में कार्य करते हैं। वे अतिरिक्त पोषक तत्त्वों को अवशोषित करके तथा कृषि, उद्योगों एवं घरों से वाहित अपशिष्ट के कारण होने वाले समुद्री रासायनिक क्षति का संकेत देने का कार्य करते हैं|
- समुद्री शैवाल कई पोषक तत्त्वों जैसे विटामिन, खनिज तथा आहार फाइबर से भरपूर है। इसका उपयोग सुशी, सलाद, स्नैक्स एवं थिकनर सहित विभिन्न खाद्य उत्पादों में किया जाता है। समुद्री शैवाल आयोडीन का सबसे अच्छा स्रोत भी है।
- इसका उपयोग सौंदर्य प्रसाधन, औषध तथा बायोप्लास्टिक्स सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला में किया जाता है।
- समुद्री शैवाल कार्बन कैप्चरिंग के रूप में भी कार्य करते हैं। वे अपने विकास के दौरान वातावरण से

NEW OPTIONAL FOUNDATION COURSE FOR ENGLISH & HINDI MEDIUM STARTING FROM 16TH FEBRUARY, 2024

कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करता है जिससे यह जलवायु परिवर्तन अनुकूलन हेतु संभावित उपकरण की भूमिका निभाता है।

लखपति दीदी योजना (Lakhpati Didi Yojana)

सुर्ख़ियों में क्यों?

- अंतरिम बजट 2024-25 में केंद्र सरकार ने 'लखपति दीदी योजना' के लक्ष्य को बढ़ाकर 2 करोड़ से 3 करोड़ कर दिया गया है|
- वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में बताया कि इस योजना के तहत अब तक एक करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं|

लखपति दीदी योजना के बारे में

- गौरतलब है कि योजना का लक्ष्य एसएचजी का उपयोग करके गांवों में दो करोड़ महिला करोड़पति (" लखपति दीदी ") बनाना है।
- भारत सरकार ने महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए, उन्हें स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम देने के लिए, महिलाओं को पैसा कमाने के योग्य बनाने के लिए लखपति दीदी योजना शुरू किया है|
- इस योजना के तहत महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- इस योजना के तहत महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा ताकि वे प्रतिवर्ष 1 लाख रुपए से अधिक कमा सकें।
- स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से महिलाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करना, महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा देना और कार्यबल और आर्थिक विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना है | यह योजना गरीबी उन्मूलन और आर्थिक सशक्तीकरण के व्यापक मिशन के अनुरूप है।

- इस योजना के तहत महिलाओं को LED बल्ब बनाने, प्लंबिंग (Plumbing), ड्रोन के संचालन और मरम्मत करने सहित अन्य कौशलों में प्रशिक्षित किया जाएगा।
- इस योजना को Nov 2022 में उत्तराखंड एवं Dec 2023 में राजस्थान सरकार द्वारा भी शुरू किया गया है|

66वें ग्रैमी अवार्ड (Grammy Awards) 2024

सुर्ख़ियों में क्यों?

- हाल ही में अमेरिका के लॉस एंजिलिस में वर्ष 2024 के लिए 66वें ग्रैमी अवार्ड समारोह का आयोजन किया गया|
- शंकर महादेवन और ज़ाकिर हुसैन के फ़्यूज़न बैंड शक्ति ने अपनी नवीनतम रिलीज़ "दिस मोमेंट" के लिए सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संगीत एल्बम का ग्रैमी पुरस्कार जीता।
- ध्यातव्य रहे, इस इस समारोह में पांच भारतीयों को ग्रैमी पुरस्कार दिया गया गया है जिनमें से शामिल हैं - प्रसिद्ध गायक शंकर महादेवन, तबला वादक ज़ाकिर हुसैन, वायलिन वादक गणेश राजगोपालन, बांसुरी वादक राकेश चौरसिया तथा तालवादक सेल्वा गणेश|

- गौरतलब है कि ग्रैमी अवार्ड, जिसे मूल रूप से ग्रामोफोन अवार्ड कहा जाता है, संगीत उद्योग में उपलब्धियों को पहचानने के लिए रिकॉर्डिंग अकादमी द्वारा प्रस्तुत एक पुरस्कार है।

NEW OPTIONAL FOUNDATION COURSE FOR ENGLISH & HINDI MEDIUM STARTING FROM 16TH FEBRUARY, 2024